आधारात्मक वेदान्त पाठ्यक्रम

चिन्मय इंटरनेशनल फाउन्डेशन

संस्कृत भाषा के शोध एवं अन्य भारतीय भाषाओं का केन्द्र
आदि शंकर निलयम्, वेलियानाड, एर्नाकुलम –682313, केरल, भारत
फोन : +91 92077–11140, +91–484–2749676 ई मेल : vedantacourses@chinfo.org वेब : www.chinfo.org

---

पाठ्यक्रम की विषयसूची
(4 खण्ड, 24 पाठ)
खण्ड – 1
(8 पाठ)

पाठ – 1

1.1 स्वतन्त्रता और स्वेच्छाचार

1.2 सद्व्यवहार की कला

1.3 मानव की विरासत

1.4 जीवन का आनन्द

पाठ – 2

2.1 कर्म की अपरिहार्यता

2.2 सफलता का रहस्य

2.3 अलौकिक एवं लौकिक

2.4 दो मार्ग

पाठ – 3

3.1 शांति कहाँ है?

3.2 जीवन व्यक्तित्व का सामंजस्य

3.3 यक्तित्व का पुनर्गठन

3.4 मन और मनुष्य

पाठ – 4

4.1 पूर्णता का मार्ग
4.1 कर्म की यान्त्रिकता
4.1 कर्म का सिद्धान्त

पाठ – 5

5.1 मन का खेल

5.2 जीवन जीने के मूल सिद्धान्त

5.3 सामंजस्य और संतुलन

पाठ – 6

6.1 विज्ञान और धर्म

6.2 धर्म क्या है?

6.3 राष्ट्र के आवश्यक तत्त्व

6.4 संस्कृति क्या है?

पाठ – 7

7.1 मानवता का आधार क्या है?

7.2 मनुष्य का मूल तत्त्व

7.3 दिव्यता का मार्ग

7.4 दिव्यता की स्थिति

पाठ – 8

(पाठ संख्या 1 से 7 तक का पुनरावलोकन) पुनरीक्षण – क

खण्ड – 2

(6 पाठ)

पाठ – 9

9.1 वेदान्त के मूल सिद्धान्त

9.2 अन्नमय कोश

9.3 प्राणमय कोश

9.4 मनोमय और विज्ञानमय कोश

9.5 मन और बुद्धि का तुलनात्मक विश्लेषण

9.6 आनन्दमय कोश

पाठ –10

10.1 पांच कोश और आत्मा

10.2 तीन शरीर और आत्मा

10.3 आत्मा का स्वरूप

पाठ – 11

11.1 वासनाओं का क्षय

11.2 मनन, चिन्तन और ध्यान

11.3 व्यष्टि और समष्टि

पाठ – 12

12.1 दर्शन के छः सम्प्रदाय (शड्–दर्शन)

12.2 महावाक्यः महान उद्घोषणाएँ

12.3 दर्शन और धर्म

पाठ – 13

13.1 मनुष्य का उत्थान और पतन

13.2 मनुष्य का पतन

13.3 आवरण शक्ति

13.4 मन के विक्षेप

पाठ – 14

(पाठ 9 से 13 तक का पुनरावलोकन) पुनरीक्षण – ख

खण्ड – 3

(5 पाठ)

पाठ – 15

15-1 नित्य को खोजो

15.2 'धन' और 'स्त्री'

15.3 अन्तर्मुखी हो जाओ – यहीं और अभी

15.4 अनासक्ति की प्रक्रिया

पाठ – 16

16.1 विकारी और निर्विकार

16.2 कामना, एक आंतरिक दैत्य

16.3 एक पुष्प गुच्छ

16.4 संन्यास क्या है?

पाठ – 17

17.1 पूर्णता की कसौटी

17.2 पूर्णता प्राप्ति का त्रिविध मार्ग

17.3 पूर्ण पुरुष

17.4 अद्वैत सत्य

पाठ – 18

18.1 बंधन से मुक्ति की ओर

18.2 बहिरंग साधना

18.3 वासनाएँ आत्म स्वरूप को आच्छादित करती हैं

18.4 अंतरंग साधना

पाठ – 19

(पाठ 15 से 18 तक का पुनरावलोकन) पुनरीक्षण – ग

खण्ड – 4

(5 पाठ)

पाठ – 20

20.1 जीवन का प्रयोजन

20.2 पूर्णता की स्थिति

20.3 विकारी तत्त्व

20.4 गतिशील मन

पाठ – 21

21.1 ध्यान की पूर्व तैयारी

21.2 ध्यान की प्रक्रिया

21.3 ध्यान–विधि

21.4 मन का उपयोग

पाठ – 22

22.1 ध्यान की युक्तियुक्तता

22.2 ऊँ का महत्त्व

22.3 आत्मसाक्षात्कार का रहस्य

22.4 श्रद्धा का आश्वासन

22.5 विकास की चरम स्थिति

पाठ – 23

(पाठ 20 से 22 तक का पुनरावलोकन) पुनरीक्षण – घ

पाठ – 24

पाठ्यक्रम के मुख्य बिन्दु